साप्ताहिक

RNI No. 7583/61

उज्जैन टाइम्स

● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा (मम्मू)

(म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)

● वर्ष : 63, अंक : 10 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 05-12-2023 से 11-12-2023 तक ● पृष्ठ : 04 ● मूल्य : 2 रुपये

मोदी का जादू, मामा का करिश्मा और कार्यकर्ताओं की जीद ने खिला ही दिया कमल

प्रभावी बूथ-स्तरीय रणनीति, मजबूत संगठनात्मक रणनीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रियता जैसे प्रमुख कारकों की वजह से मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में माहौल बन गया।

पार्टी नेताओं ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान जनता, विशेषकर महिलाओं और युवाओं के बीच मामा के रूप में बेहद लोकप्रिय हैं, जबकि एमपी के मन में मोदी अभियान ने भी राज्य में भाजपा के लिए समर्थन मजबूत करने में मदद की।

चुनाव से पहले भाजपा को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा उनमें से एक चुनौती आंतरिक गुटबाजी और हतोत्साहित कार्यकर्ताओं की थी। पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक स्तर पर एकजुट होकर प्रयास करने और भाजपा को सत्ता में फिर से लाने के उद्देश्य के लिए काम करने को कहा गया था। केंद्रीय नेतृत्व द्वारा राज्य के लिए तैनात किये गये नेताओं ने पार्टी के भीतर विभिन्न समूहों को एक साथ लाने और अपने जबरदस्त संगठनात्मक कौशल से कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पार्टी आलाकमान द्वारा भेजे गए नेताओं ने 14 वरिष्ठ नेताओं को 14 जिलों में नियुक्त करने की रणनीति बनाई, जहां उन्होंने स्थानीय पदाधिकारियों के साथ-साथ नगर निगमों और पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। उन्होंने 50 से अधिक बैठकें आयोजित कीं, जिनमें चौहान ने पार्टी कार्यकर्ताओं की शिकायतें और सुझाव सुने। भाजपा नेताओं के सरल और स्पष्ट व्यवहार के साथ-साथ निर्वाचन क्षेत्रों के दौरे और राज्य में वरिष्ठ नेताओं के प्रवास ने बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं के बीच आपसी विश्वास और समन्वय को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई।

मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा प्रमुख जे. पी. नड्डा और अन्य नेताओं की प्रभावी चुनावी रणनीति और अभियानों ने पार्टी के पक्ष में लहर पैदा की। सूत्रों ने बताया कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए मोदी द्वारा भोपाल में शुरू किए गए मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान से पार्टी को बूथ स्तर पर अपने संगठन को मजबूत करने में मदद मिली।

मध्य प्रदेश चुनावों में पार्टी की शानदार सफलता में योगदान देने वाला एक अन्य कारक शिवराज सिंह चौहान का करिश्मा था। चुनाव से पहले मुख्यमंत्री द्वारा लाडली बहना योजना की घोषणा से भाजपा को महिला वोटों पर पकड़ मजबूत करने में मदद मिली और पार्टी ने कांग्रेस का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए मध्यप्रदेश में डबल-इंजन सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाया।

वोट के लिए चप्पल खाने वाला कांग्रेसी प्रत्याशी चुनाव हारा

इस बार चुनाव में रतलाम शहरी सीट की काफी चर्चा रही। इस सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी पारस सकलेचा चुनाव प्रचार के दौरान चर्चा में आए थे। उनका एक वीडियो वायरल हुआ था।

वीडियो में पारस सकलेचा एक फकीर से चप्पल से मार खाते हुए दिखाई दे रहे थे। कांग्रेस प्रत्याशी पारस सकलेचा चुनाव हार गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के चैतन्य कश्यप ने मात दी है। कांग्रसे प्रत्याशी पारस सकलेचा 60 हजार से ज्यादा वोटों से चुनाव हार गए हैं।

दरअसल बीते दिनों मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा था। चुनाव प्रचार के दौरान एक वीडियो खूब वायरल हो रहा था। वायरल वीडियो में कांग्रेस प्रत्याशी पारस सकलेचा फकीर से चप्पलों से मार खा रहे थे। वीडियो में पारस सकलेचा एक फकीर के पास पहुंचते हैं। फकीर उन्हें चप्पल से मारने लगता है। इस दौरान फकीर कांग्रेस प्रत्याशी सकलेचा के सिर और गाल पर भी चप्पल से मारने लगा। फकीर जब कांग्रेस प्रत्याशी जोर से चप्पल मारने लगा तो आसपास खड़े लोगों ने फकीर को रोका। कांग्रेस प्रत्याशी के सिर पर चप्पल मारने वाला फकीर

एक दरगाह पर रहता है। दरगाह पर रहने वाले फकीर को लेक अब्बा कहते हैं। बताया जाता है कि दरगाह पर रहने वाले फकीर अब्बा की उस क्षेत्र में काफी सम्मान की नजरों से देखा जाता है। हालांकि, फकीर अब्बा की चप्पलों से मिला आशीर्वाद कांग्रेस प्रत्याशी पारस सकलेचा के काम नहीं आया और वो चुनाव हार गए हैं।

प्रचार नहीं किया, फिर भी जीत गये गोपाल भार्गव

रहली। भाजपा को एमपी में प्रचंड बहुमत मिला है। इस दौरान एक प्रत्याशी की काफी चर्चा हो रही है। भारतीय जनता पार्टी के इस प्रत्याशी ने बिना चुनाव प्रचार किए ही बड़ी जीत हासिल की है।

रिकॉर्ड बनाने वाले विधायक का नाम गोपाल भार्गव है। विधायक गोपाल भार्गव ने लगातार 9 बार जीतकर रिकॉर्ड भी बनाया है। वह पिछले 38 सालों से विधायक हैं। पहली बार चुनाव जीतने के बाद उन्हें आजतक कोई नहीं हरा पाया है।

चुनाव के दौरान अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रचार न करने के लिए चर्चा में रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता गोपाल भार्गव ने मध्य प्रदेश की रहली सीट से लगातार नौवीं जीत दर्ज की है। वहीं भाजपा ने प्रदेश में सत्ता बरकरार रखी। 71 साल के गोपाल भार्गव ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी और कांग्रेस

उम्मीदवार ज्योति पटेल को 72,800 वोटों से हराया। वह नई विधानसभा में सबसे अनुभवी विधायक होंगे।

कौन हैं गोपाल भार्गव

कमलनाथ की पिछली सरकार में विपक्षी दल के नेता भार्गव ने पहली बार 1985 में रहली से जीत हासिल की थी। तब से, वह अजेय रहे हैं। वह पिछले 38 सालों के दौरान इस विधानसभा सीट से सभी चुनाव जीते हैं। वर्ष 2003 से अलग-अलग विभागों के कैबिनेट मंत्री रहे भार्गव ने कहा है कि उन्हें प्रचार करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वह पूरे पांच साल लोगों के लिए काम करने में विश्वास करते हैं। दस बार विधायक रहे पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के दिवंगत नेता बाबूलाल गौर भोपाल के गोविंदपुरा से लगातार आठ बार जीते थे। वह भोपाल दक्षिण (अब भोपाल दक्षिण-पश्चिम) सीट से भी दो बार चुने गए थे। भाजपा के एक और पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कैलाश जोशी ने देवास जिले की बागली सीट से 1962 से 1993 के बीच आठ विधानसभा चुनाव जीते थे।

सम्पादकीय

भाजपा की बड़ी जीत

भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में दमदार जीत दर्ज की है। खास बात यह है कि पार्टी ने किसी भी प्रदेश में मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं दिया था। ऐसे में इतनी बड़ी जीत वाकई हैरान करने वाली है। इस जीत ने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव का आभास भी दिला दिया है। मध्य प्रदेश में इसका प्रदर्शन जीत के दमदार पैमाने पर खरा उतरा, छत्तीसगढ़ में जीत आश्चर्यजनक है। भले ही राजस्थान की जीत कोई आश्चर्य नहीं है, लेकिन इसने चुनाव आंकलनकर्ताओं के अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। तेलंगाना में भी, जहां कांग्रेस जीती, भाजपा ने अपने मतदान प्रतिशत में प्रभावशाली वृद्धि की। तो भाजपा भारत की सबसे मजबूत चुनावी मशीन क्यों है? जानिए छह कारण।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में भाजपा के पास भारत का सबसे लोकप्रिय और विश्वसनीय राजनेता है। भाजपा के चुनाव अभियानों का नेतृत्व करते हुए वो न केवल मौजूदा भाजपा सरकारों के खिलाफ निराशा दूर करने में सहायक हैं, बल्कि पार्टी के समर्थन आधार को भी विस्तृत और गहरा कर रहे हैं।

एक मजबूत वैचारिक आधार भाजपा को अडिग समर्थकों का ऐसा समूह देता है जिस पर वह भरोसा कर सकती है। लेकिन लगातार चुनाव जीतने के लिए उसे इस मूल आधार को मजबूत करना होता है। भारत के कुछ सबसे गरीब राज्यों में इसकी बार-बार मिली सफलताएं दिखाती हैं कि इसका समर्थन आधार सभी सामाजिक समूहों में फैला हुआ है, खासकर हिंदी भाषी राज्यों में। यही कारण है कि भले ही जाति एक ज्वलंत सामाजिक मुद्दा बनी हुई है, लेकिन 1990 के दशक की तुलना में अब इसके राजनीतिक प्रभाव बहुत अलग हैं। भारत अपने प्रभावशाली आर्थिक विकास के मामले में एक वैश्विक अपवाद है। न केवल अवसरों का विस्तार करने के लिए विकास आवश्यक है, बल्कि यह सरकारों को उनकी योजनाओं को साकार करने के लिए संसाधन भी प्रदान करता है। जीडीपी वृद्धि अक्सर विशेषज्ञों के पूर्वानुमानों से बेहतर प्रदर्शन करती है, जैसा कि उसने दूसरी तिमाही के मैक्रो डेटा में किया था। आय और कॉर्पोरेट कर संग्रह में तेजी आई है और घाटा मध्यम है, जिससे भारत सरकार को चुनौतियों से निपटने की छूट मिलती है भारत का विकास पैटर्न, विशेष रूप से महामारी के बाद, वितरण के मामले में असमान है। भाजपा जमीनी स्थिति को भांपने और इसे कम करने के लिए राजकोषीय पैकेज के साथ प्रतिक्रिया करने में तेज रही है। भारत सरकार के राजस्व संग्रह में विस्तार के साथ इसने मई 2022 से उपभोक्ताओं को ऊर्जा की कीमतों में वैश्विक उछाल से बचा लिया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर रोक और रसोई गैस की दरों में कमी बड़े उदाहरण हैं। इस पर कई राज्य स्तरीय योजनाएं सोने पर सुहागा का काम करती हैं। राजनीति कभी स्थिर नहीं होती। एक मजबूत नींव के बावजूद भाजपा की निरंतर सफलता जमीनी स्थितियों पर प्रतिक्रिया करने में उसके लचीलेपन के कारण है। दो उदाहरण सामने आते हैं। उसने इस साल रेवड़ी पर अपना आख्यान छोड़ दिया और कल्याण की ओर चला गया। फिर, जब शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे जैसे क्षेत्रीय क्षत्रपों की जरूरत थी, तो केंद्रीय नेतृत्व ने जल्दी से अपना रुख बदल लिया।

कोई चुनावी रणनीति उतनी ही अच्छी है जितनी पार्टी का ग्राउंड गेम। विचारों को वास्तविकता में बदलने की क्षमता पार्टी की संगठनात्मक शक्ति पर निर्भर करती है जिसके दम पर पार्टी मतदाताओं को यह विश्वास दिला पाती है कि वह उनके बीच है। भाजपा के पास कई राज्यों में ऐसा करने की क्षमता अद्वितीय है। कुछ राज्यों के भीतर जहां क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत हैं, भाजपा ने उन्हें पछाड़ दिया है, जिसमें यूपी सबसे उल्लेखनीय उदाहरण है। इन सब बातों को मिलाकर भाजपा आज भारत की सबसे मजबूत चुनावी ताकत है। इसलिए वह 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे आगे चल रही है। उसने बार-बार दिखाया है कि वह मुश्किलों को पार कर सकती है और मौके का फायदा उठा सकती है। भारतीय राजनीति में निस्संदेह भाजपा ही वह पार्टी है जो पैमाने तय करती है।

लोकसभा चुनाव से पहले हर बूथ पर मोदी अभियान चलाएगी भाजपा, हारने वाले बूथों की होगी समीक्षा

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए हर बूथ पर मोदी अभियान चलाने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। अब हमारा संकल्प है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनता ने प्रचंड बहुमत से आशीर्वाद दिया है। अमित शाह ने हमें 51 प्रतिशत वोट शेयर का टास्क दिया था। हम 49 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहे हैं। अब लोकसभा चुनावों में टास्क को पूरा करने के लिए काम किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संकल्प इस अभियान के साथ भारतीय जनता पार्टी की शुरुआत कार्यकर्ताओं ने संभाल ली है। उन्होंने कहा कि हम समीक्षा करने के बाद जिन बूथों पर भारतीय जनता पार्टी चुनाव हारी है, उन बूथों पर हम कैसे चुनाव जीतेंगे और जिन बूथों पर हम कम मतों से जीते हैं उनमें 10 प्रतिशत वोट शेयर कैसे बढ़ेगा, इस पर काम किया जाएगा। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अमित शाह की कुशल रणनीति का आशीर्वाद के साथ संपूर्ण भारतीय जनता पार्टी का मध्य प्रदेश का हमारा नेतृत्व हम सब मिलकर के टीम स्पीड के साथ 29 की 29 लोकसभा सीटें प्रधानमंत्री मोदी की झोली में डालने का प्रयास करेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हम सब मेहनत परिश्रम से सभी बूथों को जीतेंगे। प्रदेश के 64 हजार 523 बूथ पर मोदी अभियान चलेगा और इसकी शुरुआत कर दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण की योजनाएं चलाई गईं, जिन्होंने हर गरीब का जीवन बदल दिया। डबल इंजन की सरकार ने जो विकास और गरीब कल्याण का काम किया, उस विकास और गरीब कल्याण की गति को सुचारू बनाए रखने और विकसित मध्य प्रदेश को स्वर्णिम मध्य प्रदेश बनाने के हमारे संकल्प को पूरा करने के लिए जनता ने हमें आशीर्वाद दिया है। भाजपा की सरकार विकास और गरीब कल्याण का काम करती आई है और आगे भी करती रहेगी।

शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने आदर्श कार्यकर्ता के तौर पर अपनी भूमिका निभाकर शानदार काम किया है। पन्ना प्रमुख से लेकर के पन्ना समिति, बूथ समिति लेकर करके मंडल के कार्यकर्ता और जिले से लेकर प्रांत की टीम मिलकर एक साथ जुड़कर काम किया है।

सभी जीते प्रत्याशियों को शुभकामनाएं, लेकिन जो चुनाव किसी कारणवश बहुत कम अंतर से हार गए हैं, पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि असफलता यह साबित करती है कि सफलता के प्रयास हमें और करने की जरूरत है।

मेंदोला ने हासिल की सबसे बड़ी जीत, सबसे कम वोटों से जीते अरुण भीमावद

भोपाल। विधानसभा चुनावों की तस्वीर साफ हो चुकी है और भाजपा ने ऐतिहासिक बहुमत से जीत हासिल की है। भाजपा को मिली इस बड़ी सफलता में सबसे बड़ी जीत इंदौर से पार्टी विधायक रमेश मेंदोला के नाम रही है, जबकि सबसे कम मतों से जीत का खिताब शाजापुर से चुने गए भाजपा विधायक अरुण भीमावद के नाम रहा है।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में सबसे बड़ी जीत हासिल करने का गौरव भाजपा के उम्मीदवार रमेश मेंदोला को मिला है। रमेश मेंदोला इंदौर 2 विधानसभा सीट से विजयी रहे हैं। उन्होंने 1,07,047 वोटों से जीत हासिल की और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के चिंटू चौकसे को पराजित किया। वहीं, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सबसे छोटी जीत मिली शाजापुर से भाजपा उम्मीदवार अरुण भीमावद को। उन्होंने 28 वोट से जीत हासिल की। भीमावद से कांग्रेस प्रत्याशी हुकुम सिंह कराड़ा को पराजित किया।

बड़ी जीत के मामले में भोपाल के गोविंदपुरा से भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर दूसरे स्थान पर रही हैं उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी को 1.06,668 वोटों से हराया। तीसरे क्रम पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान रहे, जिन्होंने बुदनी में अपने प्रतिद्वंदी को 1,04,974 वोटों से पराजित किया। चौथे क्रम पर भाजपा के ही रामेश्वर शर्मा रहे, जिन्होंने हुजूर विधानसभा सीट पर अपने प्रतिद्वंदी को 97,910 वोटों से हराया। पांचवें क्रम पर भाजपा के ही वरिष्ठ नेता गोपाल भार्गव रहे। उन्होंने रहली में अपने प्रतिद्वंदी को 72,800 वोटों से पराजित किया।

वहीं, सबसे छोटी जीत के मामले में शाजापुर के भाजपा प्रत्याशी अरुण भीमावद के बाद दूसरे स्थान पर महिदपुर से कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश जैन रहे, जिन्होंने महज 290 वोटों से जीत हासिल की। तीसरे नंबर पर धरमपुरी से भाजपा के प्रत्याशी कालूसिंह ठाकुर रहे, जिन्होंने 356 वोटों से प्रतिद्वंदी उम्मीदवार को पराजित किया। चौथे क्रम पर बैहर के कांग्रेस प्रत्याशी संजय उइके हैं, जिन्होंने अपने प्रतिद्वंदी को 551 वोटों से हराया। पांचवें क्रम पर मांधाता से भाजपा प्रत्याशी नारायण पटेल हैं, जिन्होंने 589 वोटों से जीत हासिल की है।

अब शपथ की तैयारियों में जुटेंगे अफसर

भोपाल। नई सरकार के गठन को लेकर भाजपा में जहां मुख्यमंत्री के नाम अभी तय होना है। दूसरी ओर राज्य सरकार के अधिकारी मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्यों के शपथ और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर एक्टिव हो गए हैं। इसी संबंध में सोमवार को मुख्य सचिव वीरा राणा ने राज भवन पहुंचकर राज्यपाल मंगु भाई पटेल से मुलाकात की। बताया जाता है कि इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के शपथ कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई है।

अधिकारियों को नई सरकार के शपथ की तैयारियों और राजभवन से मिलने वाले शपथ समारोह के संकेत का इंतजार है। नई मुख्य सचिव वीरा राणा नई सरकार को शपथ दिलाने में मुख्य भूमिका निभाएंगी। इसी संदर्भ में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की।

अनुमान है कि सोमवार को राज्यपाल से हुए मुलाकात में नई सरकार का शपथ समारोह कहां होगा इस पर चर्चा हुई। वैसे राजधानी का जम्बूरी मैदान भाजपा अपने लिए शुभ मानती है, इसलिए संभावना है कि इस मैदान पर ही नई सरकार और उसके मंत्रियों की शपथ एक साथ हो। बता दें कि चुनाव आचार संहिता 5 दिसंबर को खत्म होने वाली है। इसलिए सरकार के दो माह से रुके सभी काम भी 6 दिसंबर से शुरू हो जाएंगे और विभागीय बैठकों का दौर तेज हो जाएगा।

शिवराज को बधाई देकर रोने वाली महिला

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत हासिल की है। 2 दशक के शासन के बाद भाजपा ने एक बार फिर प्रचंड बहुमत हासिल करके साबित किया है कि उसके खिलाफ सत्ता विरोधी कोई लहर नहीं थी जिसका दावा कांग्रेस की ओर से किया जा रहा था।

160 से अधिक सीटों पर निर्णायक बढ़त हासिल करने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में जश्न का महौल है। दिल्ली से भोपाल तक लड्डू बांटे जा रहे हैं।

इस बीच एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बधाई देते हुए एक महिला भावुक हो जाती है। वह शिवराज को गुलाब का फूल देकर गले लगाती है और भावुक हो जाती है।

असल में महिला सीएम आवास की एक कर्मचारी हैं, जिनका नाम राधा बाई है। यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

दरअसल, मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत को लेकर महिला मतदाताओं की खूब चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि शिवराज सरकार की ओर से कुछ महीने पहले शुरू की गई लाडली बहना योजना ने भाजपा की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं को हर

महीने 1250 रुपए की आर्थिक मदद की जा रही है। शिवराज सिंह चौहान इस राशि को 3 हजार तक बढ़ाने का ऐलान कर चुके हैं।

सनातन का श्राप कांग्रेस को ले डूबा?

2018 में हुआ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हिंदी पट्टी के बड़े राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विजयी हुई थी। हालांकि, 3 दिसंबर 2023 की शाम तक स्थिति पूरी तरह बदल गई और कांग्रेस ने दो राज्य बुरी तरह गंवा दिए और एमपी में वापसी से कोसों दूर रह गई।

खुद कांग्रेस के नेता और राजनीतिक जानकार इसकी बड़ी वजह सनातन धर्म का मुद्दा बता रहे हैं। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और दिग्गज दिग्विजय सिंह इसे लेकर कांग्रेस को पहले ही चेता चुके थे।

रविवार को जब नतीजों का ऐलान हो रहा था, तो शाम तक स्थिति साफ हो चुकी थी कि कांग्रेस हार रही है। उस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महासचिव प्रियंका गांधी के करीबी नेता माने जाने वाले आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा था, सनातन का श्राप ले डूबा। हालांकि, उन्होंने इस दौरान किसी दल का नाम नहीं लिया।

राजनीतिक जानकार तहसीन पूनावाला ने कहा, ...कांग्रेस को थोड़ा आत्ममंथन करना होगा कि हिंदू हार्टलैंड के सूबे राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उनकी हार क्यों हुई है। मुझे लगता है कि इसका सबसे बड़ा कारण सनातन धर्म को गाली देना। दूसरा ओबीसी सेंसस की बात करना था। खासकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में, जहां यह फैक्टर नहीं है...।

सितंबर के मध्य में ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई थी। कहा जा रहा था कि इसमें तब तूल पकड़ रहे सनातन धर्म के विरोध के मुद्दे पर भी बात हुई थी। हालांकि, तब पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने इस बात से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि पार्टी सभी का सम्मान करती है और सर्वधर्म समभाव में भरोसा करती है।

कहा जा रहा है कि तब सीएम रहे बघेल और दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने CWC बैठक में कहा था कि पार्टी ऐसे मुद्दों से दूर रहना चाहिए इसमें नहीं फंसना चाहिए। कहा यह भी जा रहा है कि बघेल और सिंह ने इस बात पर जोर दिया था कि सनातन धर्म विवाद पर बोलने से पार्टी को नुकसान होगा और इससे भारतीय जनता पार्टी को फायदा होगा।

INDIA गठबंधन में शामिल तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल डीएमके के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर की शुरुआत में सनातन धर्म को उखाड़ने की बात कही थी। इतना ही नहीं उन्होंने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियों तक से कर दी थी। कांग्रेस शुरुआत में तो इससे दूरी बनाती नजर आई, लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियंक खड़गे भी इसके समर्थन में टिप्पणी कर बैठे।

पत्रकारों ने सितंबर में जब प्रियंक से सवाल किया, तो उन्होंने कहा था, कोई भी धर्म, जो समानता को बढ़ावा नहीं देता है। कोई भी धर्म, जो यह सनुश्चित नहीं करता है कि आपको इंसान होने के नाते सम्मान मिले। वह मेरे हिसाब से धर्म ही नहीं है। यह एक बीमारी के बराबर ही है। इससे पहले स्टालिन ने सनातन धर्म के विरोध के बजाए उसे उखाड़ फेंकने की बात कही थी।

उस दौरान एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें खड़गे सनातन धर्म का जिक्र कर रहे थे। उन्हें कहते हुए सुना जा सकता है,...अगर ऐसे मोदी जी को और शक्ति मिलेगी देश में तो समझो कि फिर इस देश में सनातन धर्म और आरएसएस की हुकूमत आएगी।

हार के बाद कमलनाथ से मांग रहे इस्तीफा

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की करारी हार के बाद कमलनाथ को भी पार्टी की तरफ से बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस आलाकमान ने पूर्व मुख्यमंत्री कमनलाथ से राज्य में पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को कहा है।

बता दें कि भाजपा ने 230 सीटों वाली विधानसभा में 163 पर जीत हासिल कर बहुमत पा लिया है। वहीं कांग्रेस 66 सीटों पर ही सिमटकर रह गई। 2018 के मुकाबले कांग्रेस को 52 सीटों का नुकसान हुआ है। वहीं भाजपा को 57 सीटों का फायदा मिला है।

एग्जिट पोल में यही कयास लगाए जा रहे थे कि मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस में कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। हालांकि भाजपा ने यहां क्लीन स्वीप मार दिया। कमलनाथ ने छिंदवाड़ा सीट पर जीत दर्ज की है।

2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के बाद कमलनाथ पार्टी को संभाल नहीं पाए और भाजपा ने बीच में ही सरकार बना ली। इसके बाद कमलनाथ के पास पार्टी चीफ की जिम्मेदारी थी। उन्हीं के नेतृत्व में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ा। ऐसे में इस बात पर संदेह नहीं है कि कमलनाथ पर पार्टी का विश्वास कम हो गया है। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के चुनाव के लिए कमलनाथ को फैसले लेने का पूरा अधिकार दिय था। अब कांग्रेस पार्टी राज्य में हार के कारणों पर मंथन कर रही है।

राज्य में हार के बाद कमलनाथ सबसे पहले शिवराज सिंह चौहान से मिलने पहुंचे। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि वह जीत की बधाई देने गए थे। उन्होंने कहा कि 2018 में जब उनकी जीत हुई थी तब भी शिवराज उनको बधाई देने आए थे। ऐसे में यह एक शिष्टाचार भेंट थी। बता दें कि शिवराज सिंह चौहान ही मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदारों में हैं।

कमलनाथ ने भोपाल में पार्टी के सभी उम्मीदवारों की बैठक बुलाई थी। हालांकि इससे पहले ही उनसे इस्तीफा मांगे जाने की खबर आ गई। कमलनाथ ने पार्टी कार्यालय में सुबह 11 बजे बैठक बुलाई थी। इसमें राज्य में हार की समीक्षा की जानी थी। बता दें कि 2018 में कांग्रेस ने 114 सीटों पर कब्जा किया था। वहीं इस बार पार्टी 66 से ही संतोष कर रही है।

चुनाव परिणाम साफ होने के बाद ही कमलनाथ ने हार स्वीकार करते हुए कहा था कि जनता ने उन्हें विपक्ष में बैठने की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा सवाल है कि यहां के युवाओं और किसानों का भविष्य सुरक्षित हो और वे खुशहाल हों।

उन्होंने आगे कहा, मैं भारतीय जनता पार्टी को बधाई देता हूं। मुझे आशा है कि जनता ने उनके ऊपर जो विश्वास दिखाया है, वे उस पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

डॉ. मोहन यादव जीत पर आतिशबाजी, बांटी मिठाई

उज्जैन। उज्जैन दक्षिण से तीसरी बार विधायक बनने पर डॉ. मोहन यादव का जितेंद्र कृपलानी मित्र मंडली द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

जितेंद्र कृपलानी ने बताया कि सिंधी कॉलोनी चौराहे पर आतिशबाजी के साथ डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया एवं शहरवासियों को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया गया। इस अवसर पर सिंधी समाज के वरिष्ठ रूप पमनानी, राजकुमार परसवानी, राधेश्याम भाट, आशीष अग्रवाल, सचिन गोसर, भरत माली, पिंकेश अखंड, राहुल डागर, कुणाल दांदवानी, रवि माली, पवन, किशोर, राकेश सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं शहरवासी मौजूद रहे।

श्री बटुक भैरव मंदिर पर मनेगी कालभैरव अष्टमी

उज्जैन। चक्रतीर्थ स्थित श्री बटुक भैरव मंदिर पर कालभैरव अष्टमी धूमधाम से मनायी जाएगी। भगवान की महा आरती कर 56 भोग लगाया जाएगा साथ ही भंडारे का आयोजन भी होगा। मन्दिर के प्रमुख गुरुदेव वरुण तिवारी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बटुक भैरव मन्दिर पर कालभैरव अष्टमी का भव्य आयोजन किया जायेगा। सर्वप्रथम सुबह 8 बजे भगवान बटुक भैरव का सुगंधित द्रव्य एवं फलों के रसो से अभिषेक पूजन किया जाएगा। उसके उपरांत 12 बजे बाबा बटुक भैरव का चोला एवं स्वर्ण श्रृंगार किया जाएगा उसके उपरांत शाम 6 बजे बाबा को 56 भोग लगा कर अन्नकूट का आयोजन कर भगवान की 6:30 बजे महाआरती की जाएगी एवं उसके पश्चात विशाल भंडारे के रूप में महाप्रसादी वितरण की जाएगी।

बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आई जाह्नवी कपूर

उज्जैन। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर अपने साथियों के साथ सोमवार तड़के महाकाल मंदिर पहुंची। यहां वे काफी समय तक रही और भस्म आरती में शामिल हुईं। बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर सोमवार को उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर पहुंची। यहां वे सुबह 4 बजे बाबा महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने नंदी हाल में आरती भी की। अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ ही शिखर पहाड़िया, डायरेक्टर एटली कुमार और अन्य लोग भी मौजूद थे और उन्होंने भी बाबा महाकाल की आरती की।

अमृत मंथन को मिला सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म अवार्ड

उज्जैन। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन वाराणसी में हुआ द्य इस अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 115 देश से 3212 फिल्में प्रतियोगिता में सम्मिलित हुई थी। जिनमें से 45 देशों की की 94 फिल्मों को प्रदर्शन के लिए स्थान मिला और उनकी स्क्रीनिंग की गई।

महोत्सव में मंथन इंडिया फिल्म द्वारा निर्माण की गई अमृत मंथन लघु फिल्म ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 94 फिल्मों की स्क्रीनिंग में अपनी जगह बनाई। अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह 94 फिल्मों में से चुनकर, प्रयागराज के कुम्भ मेले की धार्मिक मान्यता, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक महत्व पर आधारित भारतीय डॉक्यूमेंट्री फिल्म अमृत मंथन को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का अंतरराष्ट्रीय आईएफएफसी पुरस्कार दिया गया। साथ ही इस फिल्म के निर्देशक दीपक कोडापे को बेस्ट डायरेक्टर के रूप में सम्मानित किया गया। तीन दिनों तक चलने वाले इस अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में मुख्या जूरी के रूप में निर्देशक प्रकाश झा एवं अभिनेत्री अभिनेत्री देबाश्री रॉय ने फिलोम का चयन किया। अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, निर्देशक रूमी जाफरी, अभिनेता सुधीर पांडे, अभिनेत्री और मॉडल मधुरिमा तुली, निर्माता निर्देशक विनोद गनाला, निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी और आईएफएससी के अध्यक्ष देवेंद्र खंडेलवाल उपस्थित रहे।

मंथन इंडिया फिल्म्स द्वारा निर्माण की गई फिल्म अमृत मंथन में सिनेमेटोग्राफर के रूप में आनंद निगम, अजय पटवा, देवांश भट्ट, शुभम मरमट ने कार्य किया है। इसका निर्देशन, गीतों का लेखन और संगीतबद्ध दीपक कोडापे ने किया है। गीतों को अनिल नागर ने अपने स्वरों से संजोया है। सह निर्माण संस्था बालाजी स्टूडियो के साथ मिलकर प्रयागराज कुम्भ में 20 दिनों के अथक परिश्रम के बाद इस फिल्म का निर्माण किया गया है।

कलावर्त न्यास का तीन दिवसीय रजत कलापर्व 23 दिसंबर से

उज्जैन। प्रदेश की प्रतिनिधि कला संस्था कलावर्त न्यास द्वारा आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय कला उत्सव इस वर्ष रजत जयंती कला पर्व के रूप में 23 से 25 दिसंबर तक आयोजित किया जावेगा।

न्यास के सचिव एवं पर्व संयोजक डॉ. परिधि काले ने बताया कि कोरोना काल के चलते विगत 2-3 वर्ष यह प्रतिष्ठा कला अनुष्ठान नही हो सका था किंतु इस वर्ष न्यास द्वारा इसे भव्य स्वरूप प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। डी एच एल इंफ्रा बुल्स इंदौर, कोकुयोकैमलिन मुंबई तथा अवंतिका यूनिवर्सिटी उज्जैन के सहयोग से तीन दिनी राष्ट्रीय कला शिविर के साथ ही प्रति वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी भव्य कला अलंकरण अनुष्ठान भी संपन्न होगा जिसमें देश के विख्यात चित्रकार जतिनदास नई दिल्ली, शोभा ब्रूटा नई दिल्ली, जितेन हजारिका नई दिल्ली तथा अहमदाबाद के वृन्दावन सोलंकी को आजीवन उपलब्धि सम्मान (लाइफ टाइम अचीवमेंट) सम्मान से नवाजा जावेगा। कला लेखन एवं समीक्षण के क्षेत्र में दिया जाने वाला राष्ट्रीय चित्रवाण सम्मान प्रख्यात कला समीक्षक प्रयाग शुक्ल को प्रदान किया जावेगा। श्री गरवाल ने बताया कि इस के साथ ही न्यास द्वारा प्रतिवर्ष दिए जाने वाले राष्ट्रीय स्वस्ति सम्मान, कला कोस्तुभ सम्मान तथा अभ्युदय सम्मान से भी कलाकारों को सम्मानित किया जावेगा।

डॉ. परिधि के अनुसार कला पर्व में सम्मिलित होने वाले देश भर के सभी लगभग 60 से अधिक कलाकारों तथा विदेशी कलाकारों को वशिष्ट राष्ट्रीय रजत सम्मान से नवाजा जावेगा। साथ ही न्यास के समस्त न्यासी सदस्यों तथा सहयोगियों को भी रजत सम्मान दिया जानेगा। इसी क्रम में कला पर्व के प्रथम दिवस देवास की ख्यात युवा नृत्यांगना अनुष्का पवार कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी तथा कालापर्व की द्वितीय संध्या अमेटी यूनिवर्सिटी जयपुर के वरिष्ठ सितार वादक महंतो मुजुमदार सितार वादन की प्रस्तुति देंगे।

मुस्कुराते चेहरे प्रतीक नहीं होते प्रसन्नता के

उज्जैन। डॉ. श्रीकृष्ण जोशी की अध्यक्षता में गजलांजलि साहित्य संस्था की काव्य-संगोष्ठी, रेकी केंद्र, रूपांतरण दशहरा मैदान पर आयोजित की गई। राज्य के चुनाव परिणाम के अवसर पर यह गोष्ठी भी कुछ चुनावी रंग में रँगी महसूस हुई। दिलीप जैन ने अपनी अतुकान्त कविता मुस्कुराते चहरे प्रतीक नहीं होते प्रसन्नता के...से सच को प्रदर्शित किया। वहीं पूर्व अपर कलेक्टर डॉ. आर.पी. तिवारी ने बिकता है इन्सान जहाँ पर, राजनीति वह मण्डी है..कविता सुनाई। कवि सत्यनारायण नाटाणी सत्येन्द्र' द्वारा कविता जात-पात के चक्कर में क्यों उलझ रहे हो.. सुनाई गई। राजेंद्र शर्मा

द्वारा रचना इन्सान की फितरत भी क्या है... पढ़ी गई। अशोक रक्ताले ने छंद रचना कुण्डलिया बिन पैसे चढ़ना कठिन, शिक्षा के सोपान...प्रस्तुत की। विजयसिंह गहलोत साकित द्वारा गजल दर्द तन्हाई का सहा करना...सुनाई। सामयिक रचनाओं को प्राथमिकता देते अवधेश वर्मा नीर ने मानव जग में घिरा हुआ है, हर दिन एक समस्या से...पढ़ी। डॉ. अखिलेश चौरे अखिल द्वारा भी गजल दिलो दिमाग पे वो पल अजीब से गुजरे...सुनाई। आरिफ अफजल द्वारा भी मुख्तलिफ अशआर सुनाए गये। अन्त में सत्येन्द्र नाटाणी का उनके अस्सीवें जन्म दिन पर स्वागत किया गया।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)।